Annexure – 2-A

परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस

(ऑटोनॉमस)

मानसरोवर, जयपुर

बी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम

UGC
University Grants Commission

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति

(CBCS)

सेमेस्टर पद्धति

I एवं II सेमेस्टर – 2022–23
III एवं IV सेमेस्टर – 2023–24
V एवं VI सेमेस्टर – 2024–25

हिंदी विभाग

- डॉ. किरण शर्मा
- सुनीता गोपालिया

सेमेस्टर आधारित पासकोर्स पाठ्यक्रम
चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (CBCS)
बी.ए. (प्रोग्राम) हिंदी पाठ्यक्रम सत्र – 2022 – 23

	CORE (2 each language & 4 each subject)						Elective (2 each)		
Semester	**English (6 Credits)**	**Hindi (6 Credits)**	**Subject 1 (6 Credits)**	**Subject 2 (6 Credits)**	**Ability Enhancement (4 Credits)**	**Skill Enhancement (4 Credits)**	**Discipline Specific Elective (DSE) Subject 1 (6 Credits)**	**Discipline Specific Elective (DSE) Subject 1 (6 Credits)**	**Generic Subject (6 Credits)**
I			हिंदी गद्य साहित्य	**X**	हिंदी सम्प्रेषण / English Communication	Introductory Computer skills/General Inter Disciplinary Awareness-I/Logical Aptitute			
II	सामान्य अंग्रेजी–1		आधुनिक हिंदी कविता	**X**		Mathematical & Computational Thinking/General Inter Disciplinary Awareness-II/ Quantitative Aptitute-I			
III	सामान्य अंग्रेजी–2		मध्यकालीन हिंदी कविता	**X**		Professional & Leadership and Management Skills/General Inter Disciplinary Awareness-III/ Quantitative Aptitute-II			
IV		सामान्य हिंदी–1	हिंदी साहित्य का इतिहास	**X**		Industry Exposure/General inter disciplinary awareness-IV/ Quantitative Aptitute-III			
V		सामान्य हिंदी–2					छात्र द्वारा चयनित	**X**	प्रयोजनपरक हिंदी /हिंदी गद्य साहित्य
VI					पर्यावरण विज्ञान **(EVS)**		छात्र द्वारा चयनित / लघु शोध प्रबंध	**X**/ Dissertation	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र / लघु शोध प्रबन्ध / आधुनिक हिंदी कविता

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति (CBCS)
बी.ए. (प्रोग्राम) हिन्दी पाठ्यक्रम

सेमेस्टर–I	
1.1	हिंदी गद्य–साहित्य (Core Course-1)
1.2	Core Subject-2 (Other Subject)
1.3	Language – हिंदी संप्रेषण / English Communication Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)
1.4	Introductory Computer skills/General Inter Disciplinary Awareness-I/Logical Aptitute (Skill Enhancement)
सेमेस्टर–II	
2.1	आधुनिक हिंदी कविता (Core Course-2)
2.2	Core Subject-2 (Other Subject)
2.3	सामान्य अंग्रेजी–1 (General English)
2.4	Mathematical & Computational Thinking/General Inter Disciplinary Awareness-II/ Quantitative Aptitute-I (Skill Enhancement)
सेमेस्टर–III	
3.1	मध्यकालीन हिंदी कविता (Core Course-3)
3.2	Core Subject-3 (Other Subject)
3.3	सामान्य अंग्रेजी– 2 (General English)
3.4	Professional & Leadership and Management Skills/ General Inter Disciplinary Awareness-III/ Quantitative Aptitute - II (Skill Enhancement)
सेमेस्टर–IV	
4.1	हिंदी साहित्य का इतिहास (Core Course-4)
4.2	Core Subject-4 (Other Subject)
4.3	सामान्य हिंदी–1 (General Hindi)
4.4	Industry Exposure/General Inter Disciplinary Awareness-IV/ Quantitative Aptitute-III (Skill Enhancement)
सेमेस्टर–V	
5.1	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई एक) (Discipline Specific Elective-1) • सूरदास एवं तुलसीदास का तुलनात्मक अध्ययन • हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधारा • भारतीय काव्यशास्त्र (रीति, गुण, दोष, रस, छंद, अलंकार) • लोक साहित्य
5.2	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-1) (i) Other Subject
5.3	सामान्य हिंदी – 2 (General Hindi)
5.4	सामान्य (जेनेरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective course) (i) प्रयोजनपरक हिंदी
सेमेस्टर–VI	
6.1	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (कोई एक) (Discipline Specific Elective-2) • छायावादोत्तर हिंदी कविता • प्रेमचन्द एवं भीष्म साहनी का तुलनात्मक अध्ययन • सूर्यकांत त्रिपाठी निराला • स्त्री विमर्श • अन्य नए प्रासंगिक नवीन विषय जोड़े जाएँगे।
6.2	विषय आधारित ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Discipline Specific Elective-2) (ii) Other Subject
6.3	पर्यावरण विज्ञान (EVS)
6.4	सामान्य (जेनेरिक) ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective course) (ii) सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र / लघु शोध प्रबन्ध

भूमिका

बी.ए. हिंदी (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम विद्यार्थी के आलोचनात्मक विवेक और रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। साहित्य की समझ के साथ भाषा का ज्ञान विद्यार्थी को संवेदनात्मक क्षमता और ज्ञानात्मक संवेदना प्रदान करता है। समाज विज्ञान और मानविकी क्षेत्र की शाखाओं के साथ आज विश्व को सजग, आलोचनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्ति की आवश्यकता है, जो समाज की नकारात्मक शक्तियों के विरूद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके। कविता, नाटक, कहानी उन सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से समझने की क्षमता विकसित करता है।

Learning outcome based approach to Curriculum Planning

भारतीय संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिन्दी पढ़ने वाले छात्र को भाषा की क्षमता से परिचित होना जितना आवश्यक है उतना ही उसे समाज की चुनौतियों के सन्दर्भ में जोड़ने की योग्यता विकसित करना भी जरूरी है। आज हम भूमंडलीकृत समाज का अंग है अतः पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को देश–विदेश के साहित्य में हो रहे बदलाव से परिचित कराना भी है और व्यावसायिक योग्यता उत्पन्न करना भी। यह पाठ्यक्रम बाजारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी की राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा। हिंदी साहित्य की नई समझ और भाषा की व्यावहारिकता की जानकारी इसका प्रमुख ध्येय है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज के जटिल सम्बन्धों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में व्यापक सरोकारों से अपना सम्बन्ध जोड़ सके साथ ही उसके भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास हो सके।

परिणाम – इस पाठ्यक्रम को पढ़ने–पढ़ाने की दिशा में निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगे –

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के प्रारंभिक स्तर से अब तक के बदलते रूपों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सके।
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ–साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
- छात्र हिंदी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से भी जान सकेगा।
- व्यावसायिक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए भाषा, अनुवाद, कम्प्यूटर और सिनेमा जैसे विषयों को हिंदी से जोड़कर पढ़ाना जिससे बाजार के लिए आवश्यक योग्यता को भी विकास किया जा सके।
- हिंदी के अतिरिक्त भारतीय साहित्य का ज्ञान भी अपेक्षित रहेगा जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा तथा अभिव्यक्ति क्षमता का विकास भी किया जा सकेगा।
- साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता, पर्यावरण और सामाजिक समरसता संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।
- साहित्य की विधाओं के माध्यम से विद्यार्थी की रचनात्मकता को दिशा देना। कविता, कहानी और नाटक जैसी विधाओं द्वारा विद्यार्थी की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना।
- साहित्य के आदिकालीन सन्दर्भों से लेकर समकालीन रूप से परिचित कराना जिससे विद्यार्थी साहित्यकार और युगबोध के सम्बन्ध को परख और पहचान सके।
- प्राचीन और नवीन भारतीय एवं पाश्चात्य सौन्दर्य सिद्धांतों तथा काव्यशास्त्रीय प्रतिमानों का अध्ययन विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी।

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति

(CBCS)

बी.ए. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

सेमेस्टर – I

हिंदी गद्य साहित्य

- कहानी
- उपन्यास
- निबंध
- एकांकी

सेमेस्टर – II

आधुनिक हिंदी कविता

सेमेस्टर – III

मध्यकालीन हिंदी कविता

- भक्तिकाल
- रीतिकाल

सेमेस्टर – IV

हिंदी साहित्य का इतिहास

सेमेस्टर – V

DSE -1 : (Discipline Specific Elective) कोई एक

- सूरदास एवं तुलसीदास का तुलनात्मक अध्ययन
- हिन्दी राष्ट्रीय काव्यधारा
- भारतीय काव्यशास्त्र (रीति, गुण, दोष, रस, छंद, अलंकार)
- लोक साहित्य

DSE - 1 : अन्य विषय (Other Subject)

GE -1 : (Generic Elective Course)

- प्रयोजनपरक हिंदी

सेमेस्टर – VI

DSE -2 : (Discipline Specific Elective) कोई एक

- छायावादोत्तर हिंदी कविता
- प्रेमचन्द एवं भीष्म साहनी का तुलनात्मक अध्ययन
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
- स्त्री विमर्श

अन्य नए प्रासंगिक नवीन विषय जोड़े जाएँगे।

DSE - 2 : अन्य विषय (Other Subject)

GE - 2 : (Generic Elective Course)

- सृजनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

हिंदी–गद्य–साहित्य
प्रथम–प्रश्न–पत्र (सेमेस्टर–I)

क्रेडिट : 06

Course Objective

- हिंदी गद्य विधाओं की जानकारी प्राप्त होगी
- विश्लेषण पद्धति को विकसित करना
- प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओं का अवलोकन करना

Course Learning Outcomes

- कथा एवं कथेतर साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेगा
- विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ विकसित होगी
- प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय प्राप्त होगा

अध्ययन का विषय

हिंदी गद्य साहित्य उद्‌भव एवं विकास

- कहानी
- एकांकी
- निबंध
- उपन्यास

कहानी

- पूस की रात – प्रेमचंद
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- चीफ की दावत – भीष्म साहनी
- पाजेब – जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु

एकांकी

- उत्सर्ग – रामकुमार वर्मा
- हरी घास पर घंटे भर – सुरेन्द्र वर्मा

निबंध

- क्रोध – आ. रामचंद्र शुक्ल
- नाखून क्यों बढ़ते हैं– आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

उपन्यास

- महाभोज – मन्नू भंडारी

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी कहानी का इतिहास : भाग 1, 2, 3 – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण – विजयमोहन सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

आधुनिक हिंदी कविता
द्वितीय प्रश्न–पत्र (सेमेस्टर–II)

क्रेडिट : 06

Course Objective

- आधुनिक कविता से परिचय प्राप्त होगा
- कविता के मूल भावपक्ष को ह्रदयगंम करने में सक्षम बनाना
- कवि की अनुभूतियों तथा कल्पना को समझने योग्य बनाना
- कविताओं के माध्यम से युगबोध पर विचार कराना

Course Learning Outcomes

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी कविता की काल विशेष के संदर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी कविता किस प्रकार महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, इस विषय को इस पाठ्यक्रम से गंभीरता से जाना जा सकता है।
- छात्र कविता सीखने के साथ–साथ वैचारिक मूल्यों को भी जान सकेंगे।
- कविता के दोनों पक्षों भाव सौंदर्य और कला सौंदर्य को जाना जा सकेगा।

अध्ययन का विषय

आधुनिक कालः सामान्य परिचय, पृष्ठभूमि

जयशंकर प्रसाद

- श्रद्धा सर्ग (कौन तुम संसृति जल निधि तीर ..... तपन में शीतल मंद बयार)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

- जागो फिर एक बार – 1
- वह तोड़ती पत्थर

सुमित्रानंदन पंत

- प्रथम रश्मि
- पर्वत प्रदेश में पावस

नागार्जुन

- अकाल और उसके बाद
- गुलाबी चूड़ियाँ

अज्ञेय

- बावरा अहेरी
- कलगी बाजरे की

धूमिल

- अकाल दर्शन
- मेरे घर में पाँच जोड़ी आँखें हैं

अनामिका

- स्त्रियाँ
- नमक

कात्यायनी

- सात भाइयों के बीच चम्पा
- हॉकी खेलती लड़कियाँ

दुष्यंत कुमार

गजलें

- कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए
- यहाँ दरख़्तों के साये में धूप लगती है,
- खुदा नहीं, न सही, आदमी का ख़्वाब सही,
- वे मुतमइन हैं कि पत्थर पिघल नहीं सकता,
- अब तो इस तालाब का पानी बदल दो,
- यहाँ तक आते–आते सूख जाती हैं कई नदियाँ,
- कई फाके बिताकर मर गया, जो उसके बारे में,
- एक चिनगारी कहीं से ढूँढ़ लाओं दोस्तों,

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्यः उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का अतीत भाग–1 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
6. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य – विजयमोहन सिंह
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह
8. छायावाद के प्रतिनिधि कवि – डॉ. विजयपाल सिंह
9. अज्ञेय और मुक्तिबोध की प्रतिनिधि कविताएँ – डॉ. शम्भूनाथ त्रिपाठी
10. साये में धूप – दुष्यंत कुमार

मध्यकालीन हिंदी कविता

तृतीय प्रश्न–पत्र (सेमेस्टर–III)

क्रेडिट : 06

Course Objective

- हिंदी साहित्य के मध्यकालीन साहित्य से अवगत कराना
- मध्यकालीन कवियों का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य की स्पष्ट समझ विकसित होगी
- मध्यकाल के परिवेश – राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे
- भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा

अध्ययन का विषय

भक्तिकाल : सामान्य परिचय, पृष्ठभूमि

- सामाजिक
- सांस्कृतिक

कबीर
तुलसीदास
सूरदास
मीराबाई

आगामी सत्र में कवियों से संबंधित पद जोड़े जाएँगे।

रीतिकाल : सामान्य परिचय, पृष्ठभूमि

- सामाजिक
- सांस्कृतिक

केशवदास
बिहारी
भूषण
घनानंद

आगामी सत्र में कवियों से संबंधित पद जोड़े जाएँगे।

अनुशंसित ग्रंथ :–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्यः उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का अतीत भाग–1 – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, बिहार लोकसभा प्रकाशन
7. हिंदी साहित्य का इतिहास –विवेक शंकर
8. भक्ति काव्य की भूमिका – प्रेमशंकर
9. रीति काव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
10. रीति काव्य – नंदकिशोर नवल
11. कबीर ग्रंथावली – संपादक श्यामसुंदर दास
12. बिहारी रत्नाकर – सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
13. घनानंद कवित्त – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिंदी साहित्य का इतिहास

चतुर्थ प्रश्न–पत्र (सेमेस्टर–IV)

क्रेडिट : 06

Course Objective

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्राप्त होगी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी होगी
- साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन के ज्ञान की समझ विकसित होगी
- साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय प्राप्त होगा

Course Learning Outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्धति को समझ सकेगें
- विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्त्व निर्विवाद है।

अध्ययन का विषय

- हिंदी साहित्य के अध्ययन का महत्त्व
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ
- हिंदी साहित्य की लेखन परम्परा
- हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण

आदिकालीन साहित्य : परिचय, पृष्ठभूमि

- सामाजिक
- सांस्कृतिक

आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ

आदिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ

- सिद्ध
- नाथ
- जैन
- प्रमुख रासो साहित्य
- लौकिक साहित्य

भक्ति आंदोलन : परिचय, पृष्ठभूमि

- सामाजिक
- सांस्कृतिक

भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ

भक्तिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ :

- निर्गुण काव्यधारा
  - संत काव्यधारा
  - सूफी काव्यधारा
- सगुण काव्यधारा
  - राम काव्यधारा
  - कृष्ण काव्यधारा

रीतिकाल : नामकरण, तत्कालीन परिस्थितियाँ

रीतिकाल की विशेषताएँ

रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराएँ

- रीतिबद्ध काव्य
- रीतिसिद्ध काव्य
- रीतिमुक्त काव्य

आधुनिक काल : परिचय, पृष्ठभूमि

- 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी नवजागरण
- भारतेंदु और उनका युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग
- छायावाद
- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद और नई कविता
- समकालीन कविता

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्यः उद्‌भव और विकास – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, बिहार लोकसभा प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विवेक शंकर
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा

****

चयन–आधारित क्रेडिट पद्धति
(CBCS)
हिंदी संप्रेषण
सेमेस्टर–I

Ability Enhancement Compulsory Course- AECC

क्रेडिट : 04

Course Objective :

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय।
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी।
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व।
- विभिन्न विषयों की जानकारी।
- विभिन्न विषयों के व्याकरणिक और व्यावहारिक रूपों की चर्चा करना।
- रोजगार संबंधी क्षेत्रों के लिए तैयार करना।

Course Learning Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने–पढ़ाने की दिशा में निम्नांकित परिणाम सामने आएँगें –

- स्नातक स्तर के छात्रों को भाषाई सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से संबंधित अनेकों पहलुओं से अवगत करवाया जाएगा।
- भाषा के शुद्ध उच्चारण, सामान्य लेखन, रचनात्मक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेंगे।
- व्याकरणिक रूपों की चर्चा करने के साथ–साथ भाषा के व्यावहारिक रूप को समझ सकेंगे।
- भाषा की समृद्धि के लिए वार्तालाप, भाषण, पुस्तक–समीक्षा, अखबार–समीक्षा का भी अध्ययन कर सकेंगे।

इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत कर आशा करते हैं कि स्नातक स्तर के विद्यार्थी भाषाई दक्षता के हर पहलू से परिचित हो सकेंगे। हिंदी भाषा को समझने, उसके शुद्ध रूप, तकनीकी रूप और ज्ञानवृद्धि के साथ भाषा में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई – I

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल
- सम्प्रेषण में तकनीक का महत्त्व (ई–मेल, टेक्स्ट मैसेज, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग, सोशल नेटवर्किंग, ई–कम्युनिकेशन)

इकाई – II

सम्प्रेषण क्षमता का विकास

निर्धारित पाठ

- शिक्षा क्या है और शिक्षा की चुनौतियाँ (निबंध मंथन, सं. अनिल अग्रवाल, मंथन प्रकाशन, इलाहाबाद, पृ.सं.–208–213)
- धर्म संकट – सत्य के प्रयोग (आत्मकथा)– महात्मा गाँधी
- योग का महत्त्व (एन.सी.ई.आर.टी., कक्षा–8, पृ.सं. 1–5)
- युवा वर्ग का दायित्व (श्रेष्ठ हिंदी निबंध, श्री शरण, कालरा पब्लिकेशन, दिल्ली, पृ.सं. 124–125)

इकाई – III

- वर्तमान संदर्भ में धर्म निरपेक्षता (सामयिक हिंदी निबंध एवं पत्र–लेखन, साहित्य भवन पब्लिकेशन, पृ.सं.–3)
- लोकतंत्र के परिणाम और चुनौतियाँ (एन.सी.ई.आर.टी. कक्षा–10, पृ.सं. 89–102)
- पर्यावरणीय समस्याएँ एवं समाधान (माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, कक्षा–12, पृ.सं. 111–120)
- राष्ट्र के विकास व सुरक्षा के लिए विज्ञान व प्रौद्योगिकी सर्वोपरि है (निबंध मंथन सं.अनिल अग्रवाल, मंथन प्रकाशन, इलाहाबाद, पृ.सं. 287–290)

इकाई – IV

- ब्लॉग लेखन, रिपोर्ट लेखन
- समीक्षात्मक लेखन
- नोटिस, मिनट्स, एजेंडा
- स्ववृत का निर्माण

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिंदी का सामाजिक संदर्भ – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. संप्रेषण–परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
3. प्रयोग और प्रयोग – वी.आर. जगन्नाथ
4. भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका – विद्यानिवास मिश्र
5. कुछ पूर्वग्रह–अशोक वाजपेयी
6. भाषाई अस्मिता और हिंदी – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. निबंध मंथन– सं. अनिल अग्रवाल, मंथन प्रकाशन, इलाहाबाद
8. श्रेष्ठ हिंदी निबंध– श्री शरण, कालरा पब्लिकेशन, दिल्ली
9. भूगोल– माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर
10. लोकतांत्रिक राजनीति– एन.सी.ई.आर.टी., राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल, जयपुर
11. सामयिक हिंदी निबंध एवं पत्र–लेखन साहित्य भवन पब्लिकेशन

****